UP Board Solutions for Class 7 History Chapter 8 मुगल साम्राज्य

अभ्यास

प्रश्न 1.
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(क) बाबर के चरित्र की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर

1. बाबर एक कुशल प्रशासक और महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति था। उसने एक छोटी सी रियासत से बढ़कर अनेक लड़ाइयाँ जीतकर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव डाली।
2. बाबर बहुत साहसी और वीर लड़ाकू सिपाही था। कठिन परिस्थिति में भी वह घबराता नहीं था। धैर्य से काम लेता था।
3. बाबर एक अच्छा साहित्यकार था। उसने तुर्की भाषा में अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' लिखी।।
4. बाबर को बगीचों का बहुत शौक था। उसने आगरा और लाहौर में बगीचे लगवाए।

(ख) भारत के इतिहास में 1526 ई० में हुए पानीपत के युद्ध का महत्त्व बताइए।
उत्तर
1526 ई० में पानीपत के युद्ध के बाद भारत में बाबर ने महान मुगल साम्राज्य की नींव डाली। आने वाले वर्षों में उनके वंशजों ने इस साम्राज्य का विस्तार किया। हिन्दू और मुसलिम अपनी अलग-अलग संस्कृतियों के बावजूद एक साथ मिलकर रहने लगे।

(ग) पानीपत के युद्ध में बाबर की विजय के क्या कारण थे ?
उत्तर

1. उसके पास बारूदी तोपें थीं जो अन्य शासकों के पास नहीं थीं।
2. उसके पास कुशल घुड़सवार थे।
3. उसकी सेना प्रशिक्षित थी।
4. उसके पास कई युद्धों के अनुभव थे।
5. वह एक कुशल युद्ध-संचालक था।

(घ) खानवा युद्ध का क्या परिणाम हुआ ?
उत्तर
1527 ई० में राजा सांगा और बाबर के बीच खानवा का युद्ध हुआ। इस युद्ध में बाबर की विजय हुई।।

- खानवा युद्ध का निम्न परिणाम हुआ
- राजपूतों की शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रभाव समाप्त हो गया।
- मुगल वंश की नींव सुदृढ़ हो गई।
- राजपूतों का दिल्ली पर अधिकार करने का सपना अधूरा रह गया।

(ङ) हुमायूँ तथा शेरशाह के मध्य हुए युद्धों का वर्णन कीजिए।
उत्तर
हुमायूँ और शेरशाह के मध्य युद्ध – सन् 1538 ई० में हुमायूँ ने शेरशाह से चुनार जीत लिया। इसके बाद शेरशाह ने गौड़ पर विजय प्राप्त की और बंगाल पर अधिकार किया।

चौसा का युद्ध – हुमायूँ मुंगेर के पास गंगा को पार करके शेरशाह की ओर बढ़ा। सन् 1539 ई० में चौसा के स्थान पर दोनों की सेनाओं में भीषण युद्ध हुआ। हुमायूँ ने परास्त होकर मुश्किल से अपनी जान बचाई।

कन्नौज का युद्ध – सन् 1540 ई० में शेरशाह ने आगरा पर चढ़ाई कर दी। हुमायूँ ने अपनी सेना के साथ कन्नौज नामक स्थान पर शेरशाह का मुकाबला किया। हुमायूँ के परास्त हो जाने पर शेरशाह ने आगरा तथा दिल्ली पर अपना अधिकार कर लिया। वह शेरशाह सूरी के नाम से भारत का शासक बना। हुमायूं सिंध होते हुए फारस चला गया।

(च) हुमायूँ ने पुनः अपने साम्राज्य को किस प्रकार प्राप्त किया ?
उत्तर
शेरशाह की मृत्यु के बाद उसका साम्राज्य दिन प्रतिदिन कमजोर होता गया। हुमायूँ ने अपने साम्राज्य को पुनः प्राप्त करने के प्रयास तेज कर दिए। उसने फारस के शासक की मदद से । कंधार, पंजाब, आगरा और दिल्ली पर अपना अधिकार कर लिया।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित कथनों में सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत कथन के सामने गलत (✗) का निशान लगाइए-
उत्तर
(क) बहादुरशाह हुमायूँ का मित्र था। **(✗)**
(ख) हुमायूँ की मृत्यु चौसा के मैदान में हुई। **(✗)**
(ग) चौसा के युद्ध में हुमायूँ की विजय हुई। **(✗)**

प्रश्न 3.
स्तम्भ 'क' तथा स्तम्भ 'ख' में दिये हुए तथ्यों को सुमेलित कीजिए-
उत्तर

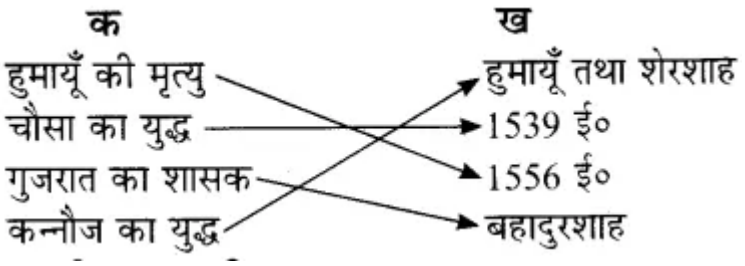

प्रश्न 4.
खाली स्थान भरिए (भरकर)-
उत्तर
(क) भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना **बाबर** ने की थी।
(ख) बाबर और राणा साँगा के बीच **खानवा** नामक स्थान पर युद्ध हुआ।
(ग) बाबर ने अपनी आत्मकथा **तुर्की** भाषा में लिखी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 5.
पाठ के आधार पर निम्नलिखित तालिका पूर्ण कीजिए (पूर्ण करके)-
उत्तर

सन्		युद्ध
1526 ई०	–	पानीपत का प्रथम
1527 ई०	–	खानवा
1529 ई०	–	चन्देरी
1529 ई०	–	घाघरा